दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

RNI NO. UPHIN/2018/76874

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

दैनिक वेलकम इंडिया

नये भारत की नई सोच

Website: www.winews.in Email: winews.in@gmail.com

वर्ष: 07 अंक: 304 | रविवार , 08 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

मोदी का विकसित भारत के निर्माण का नया संकल्प लेने का आह्वान



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए इस पर्व को अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की शाश्वत विजय का प्रतीक बताया तथा देश के सभी नागरिकों से नयी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ एक समृद्ध एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने अपने दीपावली संदेश में शनिवार को कहा कि यह पर्व भारतीय सभ्यता के शाश्वत मूल्यों को दशार्ता है और देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ आपसी एकता एवं भाईचारे के बंधन को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा, 'दीपावली के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं!' और आशा व्यक्त की कि यह त्योहार हर घर को सुख, सद्भाव और समृद्धि से रोशन करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दीपावली सकारात्मकता, अच्छाई और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देती है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि यह उत्सव लोगों को दयालुता फैलाने, आशावादी दृष्टिकोण अपनाने और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा, 'आइए, हम समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण के लिए नयी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें।' इसके साथ ही उन्होंने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने संकल्प को दोहराया।

ई-20 बना 420, जनता की गाड़ी से पेट्रोल चोरी कर रही सरकार: राहुल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को लेकर केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि जनता महंगे पेट्रोल के लिए पैसा दे रही है और उनकी कार की टंकी में तय सीमा से अधिक एथेनॉल डाला जा रहा है।

श्री गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण की बात करती है लेकिन कर्नाटक सरकार ने सात जिलों से पेट्रोल के नमूने लेकर मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में जांच करायी तो 14 में से 11 नमूनों में एथनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक पायी गयी। उन्होंने कहा कि जांच में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल) के नमूने में एथनॉल की मात्रा 31.2 प्रतिशत और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के नमूने में 30.5 प्रतिशत पायी गयी। उन्होंने दावा किया कि आईओसीएल, एचपीसीएल, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), नायरा और शेल सहित सरकारी तथा निजी कंपनियों के नमूने एथनॉल मिश्रण की तय सीमा से अधिक पाये गये। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कंपनियों की अपनी प्रयोगशालाओं की रिपोर्ट में एथनॉल की मात्रा का उल्लेख तक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इससे वाहन चालकों को महंगे पेट्रोल का भुगतान करने के बावजूद उनकी टंकी में अधिक एथनॉल जा रहा है, जिससे वाहनों का माइलेज प्रभावित हो सकता है और उन्हें बार-बार मरम्मत की जरूरत पड़ सकती है। पेट्रोल पंपों पर यह तक स्पष्ट नहीं किया जाता कि टंकी में क्या डाला जा रहा है और उपभोक्ताओं के पास कोई विकल्प नहीं है। श्री गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि देश की टंकी में वास्तव में क्या भरा जा रहा है और पेट्रोल में असल में कितना एथनॉल है। उन्होंने 20 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल मिलाने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई किये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को दी गयी उनकी खुली बहस की चुनौती अब भी कायम है और इस मुद्दे को भी बहस में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार की नीतियों से वास्तव में फायदा किसे हो रहा है।

लएसी पर बुनियादी ढांचे और आधुनिक सैन्य उपकरणों की राजनाथ ने की समीक्षा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सुकना में त्रिशक्ति कोर की सैन्य तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बुनियादी ढांचे के विकास, आधुनिक सैन्य उपकरणों की तैनाती और नयी तकनीकों के इस्तेमाल की जानकारी दी गयी। उन्होंने कोर की परिचालन तैयारियों पर संतोष जताया और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास तथा सामुदायिक कल्याण के कार्यों की सराहना की। दिवाली की पूर्व संध्या पर सैनिकों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि सुकना पूर्वी भारत की सुरक्षा व्यवस्था की अहम कड़ी है। यहां से अग्रिम क्षेत्रों तक जरूरी सामान, हथियार, भोजन, चिकित्सा सामग्री और सैन्यकर्मियों की आवाजाही होती है। उन्होंने कहा कि सरकार सैनिकों तक जरूरी सामान की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति व्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब केवल पारंपरिक लड़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें हाइब्रिड युद्ध, प्रॉक्सी युद्ध, साइबर हमले, ड्रोन घुसपैठ और सूचना युद्ध भी शामिल हैं।





संपादक की कलम

स्वास्थ्य मानकों के साथ

शुक्र है कि खाद्य सुरक्षा विभाग अपनी चौकसी में इजाफा कर रहा है, वरना यहां तो शहद में भी कीड़े पल जाते हैं। हिमाचल के त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानदंड गिर जाते हैं और मांग-आपूर्ति के बीच नकली सामान इधर से उधर हो जाता है। मंडी शहर में कॉकरोच अगर किसी किचन की सामग्री में मिले, तो ऐसी लापरवाही का लेखा जोखा साल भर होना चाहिए। हिमाचल में पर्यटकों की आवाजाही साल भर होती है, इसलिए केवल एक उत्सव की चौकसी से काम नहीं चलेगा। सब्जियां, पनीर, खोया, दही, दूध व घी जैसी सामग्री का इस्तेमाल मानकों के अनुसार होना चाहिए, लेकिन बढ़ती मांग के दौरान अकसर जांच परख नहीं होती। प्रदेश में कमोबेश साल भर सडकों के किनारे रेहडिय़ों पर बिकता खाद्य सामान कई आशंकाएं पैदा करता है। खुले में टिक्की, समोसा और बर्गर बेचने की केवल मार्गदर्शिका नहीं, बल्कि इन रेहडिय़ों की नियमित जांच होनी चाहिए। सबसे अधिक बिक्री वाले मोमो व सिड्डू की बिक्री को निरीक्षण की जरूरत है। अब यह हिसाब तो है नहीं और न ही जागरूकता दिखाई जाती है कि फास्ट फूड हर साल कितने मरीज बढ़ा रहा है, फिर भी कम से कम जांचना यह चाहिए कि पूरे वर्ष पत्ता गोभी, शिमला मिर्च या गाजर की आपूर्ति कहां और किस स्थिति में हो रही है। स्वास्थ्य मानकों के साथ यह तय करना जरूरी है कि किसी भी पर्यटक को हम ऐसा कुछ न खिलाएं जो सेहत के खिलाफ हो। कई तरह सॉल्ट और फूड अनुपूरकों का इस्तेमाल लापरवाही से भी हो रहा है। फॉस्ट फूड ने कुकिंग के मायनों को चंद मिनट में समेट दिया है। ओवर हीटिड तथा शीघ्र अति शीघ्रता से बन रहा स्वाद अकसर अमाशय से आंतडिय़ों तक विषाद पैदा कर रहा है। बेशक इस दौरान डाक्टरों के पास लग रही लंबी कतार केवल खाद्य पदार्थ जनित रोगों से ताल्लुक रखते हैं। हिमाचल में मैदा, पत्ता गोभी, शिमला मिर्च, खोया, पनीर, दूध-दही, चिकन, ब्रेड तथा बेकरी की मांग तीव्रता से बढ़ रही है। दैनिक रूप से देखें तो कई वाहन सुबह सवेरे ऐसी आपूर्ति से अटे आते हैं, लेकिन कहीं कोई चैकिंग का बंदोबस्त नहीं। होना तो यह चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के पहरे रात से सुबह तक चलें। किसी दुकानदार के किचन की जांच होनी चाहिए, लेकिन रात से सुबह तक हजारों टन आ रहे खाद्य पदार्थों का भी तो निरीक्षण हो। यह दीगर है कि दिवाली व अन्य त्योहारों के समय खाद्य सुरक्षा के नाम पर कुछ रस्में हो जाती हैं, जबकि एक टूरिस्ट स्टेट की हैसियत में रोजाना खाद्य पदार्थों की आपूर्ति से इनके अंतिम उत्पाद तक की प्रक्रिया को जांचने की पूर्ण व्यवस्था होनी चाहिए। इस संबंध में प्रयोगशालाओं को स्तरोन्नत जरूर किया जा रहा है, लेकिन इसे भी चिट्टे की रोकथाम की तरह, अभियान का रूप देना होगा। दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग एवं मेडिकल यूनिवर्सिटी को अनुसंधान करते हुए हिमाचल की बदलती खाने पीने की आदतों पर विस्तृत सर्वेक्षण रिपोर्ट लानी चाहिए। मसलन मोमो की एक रेहड़ी के हिसाब से पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य के कितने खतरे पनप रहे हैं। शिक्षा विभाग को स्कूली पाठ्यक्रम के साथ-साथ खान पान के तौर तरीके, फॉस्ट फूड और बाजार में उपलब्ध हर प्रकार के पैकेजिंग सामान के खतरों से छात्रों में जागरूकता लानी चाहिए। बहरहाल दिवाली की शुभकामनाओं में व्यापार खोजता बाजार जहां खड़ा है, वहां नकली पदार्थों की आमद को रोकने के प्रयास शीघ्रता से होने चाहिए। हिमाचल में निर्मित दवाइयां पहले ही यह साबित कर रही हैं कि प्रदेश का ड्रग कंट्रोल सिस्टम पूरी तरह सक्षम नहीं है। इसी तरह खाद्य सुरक्षा व नियंत्रण के इंतजाम को सशक्त करते हुए विभागीय सुदृढ़ता चाहिए। आम जनता से भी गुजारिश है कि इस बार दिवाली को स्वास्थ्य व पर्यावरणीय मानकों के साथ मनाएं।



ललित शर्मा
संपादक

दीपावली 2026: अयोध्या से विश्वभर तक गूंजेगी मां लक्ष्मी की महिमा



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर दीपावली केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं,बल्कि भारतीय सभ्यता,आध्यात्मिक चेतना, आर्थिक समृद्धि,सामाजिक सद्भाव और विश्व सांस्कृतिक एकता का ऐसा महापर्व है,जिसकी रोशनी अब भारत की सीमाओं को पार कर पूरी दुनिया में फैल चुकी है रविवार 8 नवंबर 2026 को कार्तिक अमावस्या के अवसर पर भारत सहित विश्व के अनेक देशों में दीपावली मनाई जाएगी इस अवसर पर करोड़ों भारतवंशी अपने घरों, मंदिरों व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों को दीपमालाओं से सजाकर मां महालक्ष्मी भगवान गणेश तथा भगवान श्रीराम की आराधना करेंगे।अयोध्या की पावन धरती से लेकर न्यूयॉर्क,लंदन,सिडनी,टोरंटो, सिंगापुर और दुबई तक भारतीय संस्कृति का प्रकाश दिखाई देगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस वर्ष की दीपावली का विशेष महत्व इसलिए भी है कि एक ओर यह दरिद्रता से संपन्नता,अज्ञान से ज्ञान और अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संदेश देती है,वहीं दूसरी ओर विश्व समुदाय के सामने भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक वैश्विक पहचान को प्रस्तुत करती है।

साथियों बात अगर हम दीपावली की धार्मिक मान्यता, मां महालक्ष्मी की कृपा और दरिद्रता से संपन्नता की ओर बढ़ने के आध्यात्मिक संदेश की करें तो भारतीय परंपरा में मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या की रात्रि मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और स्वच्छता, पवित्रता, सदाचार तथा श्रद्धा से परिपूर्ण घरों में उनका स्वागत किया जाता है। भक्तजन विश्वास के साथ मां लक्ष्मी से प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवार से आर्थिक संकट, दरिद्रता और कष्ट दूर हों तथा घर में सुख,शांति, स्वास्थ्य, धन-धान्य और समृद्धि का वास हो। दीपावली की रात्रि में लक्ष्मी पूजन का क्षण इसी आस्था का केंद्र होता है। मां महालक्ष्मी के आठ स्वरूपों की अवधारणा भी समृद्धि के व्यापक दर्शन को सामने रखतीहै आदिलक्ष्मी विद्यालक्ष्मीसौभाग्यलक्ष्मीअमृतलक्ष्मी, कामलक्ष्मी,सत्यलक्ष्मी भोगलक्ष्मी और योगलक्ष्मी के माध्यम से यह संदेश मिलता है कि वास्तविक संपन्नता केवल बैंक खाते, सोने-चांदी अथवा भौतिक संपत्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्या,सदाचार, स्वास्थ्य, सौभाग्य, संतोष और आध्यात्मिक उन्नति भी लक्ष्मी के ही सटीकता से व्यापक स्वरूप हैं।

साथियों इस दर्शन को प्रातः काल की प्रचलित प्रार्थना 'कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती' भी सुंदर रूप में अभिव्यक्त करती है। इसका भावार्थ है कि मनुष्य के हाथों में कर्म, ज्ञान और सदाचार की शक्ति विद्यमान है। अर्थात केवल मां लक्ष्मी से धन मांगना पर्याप्त नहीं, बल्कि अपने हाथों से ईमानदार परिश्रम करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और किसी का अहित न करना भी आवश्यक है। दीपावली पर मां लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश की पूजा का भी यही गहरा संदेश है। लक्ष्मी समृद्धि की प्रतीक हैं और गणेश सद्बुद्धि, विवेक तथा शुभारंभ के अधिष्ठाता माने जाते हैं। धन के साथ सद्बुद्धि का संगम ही वास्तविक कल्याणकारी संपन्नता है। विवेकहीन धन अहंकार, अनैतिकता और विनाश का कारण बन सकता है,जबकि ईमानदारी से अर्जित संपत्ति परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देती है।

साथियों, बात अगर हम दीपावली के दूसरे महत्वपूर्ण धार्मिक पक्ष भगवान श्रीराम की अयोध्या वापसी की करें तो मान्यता है कि भगवान श्रीराम,माता सीता और लक्ष्मणजी चौदह वर्षों का वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्या वासियों ने दीप जलाकर संपूर्ण नगरी को प्रकाशमय कर दिया था। तभी से दीपावली को धर्म, सत्य, न्याय और मर्यादा की विजय के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है इस प्रकार दीपावली के दो प्रमुख आध्यात्मिक संदेश सामने आते हैं। पहला, मां महालक्ष्मी की आराधना के माध्यम से आर्थिक और आध्यात्मिक समृद्धि की कामना तथा दूसरा,भगवान श्रीराम के आदर्शों के माध्यम से सत्य, कर्तव्य, न्याय और सुशासन की स्थापना। यही कारण है कि दीपावली घरों में पूजा का पर्व होने के साथ- साथ सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का भी महापर्व बन गई है।

साथियों, बात अगर हम भारत के शासकीय प्रशासनिक और सार्वजनिक अवकाश की करें तो केंद्र सरकार की वर्ष 2026 की राजपत्रितअवकाश सूची में 8 नवंबर को दीपावली का अवकाश दर्ज है।लेकिन इस बार यह रविवार को पड़ रही है।केंद्र सरकार के अवकाश संबंधी निदेर्शों में स्पष्ट किया गया है कि साप्ताहिक अवकाश के दिन पड़ने वाले त्योहार के लिए सामान्यतःअतिरिक्त प्रतिपूर्ति अवकाश नहीं दिया जाएगा।हालांकि अलग-अलग राज्यों में सरकारी कार्यालयों, बैंकों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और स्थानीय संस्थानों के अवकाश संबंधी आदेश अलग हो सकते हैं। डाक विभाग की अखिल भारतीय अवकाश सूची में भी 8 नवंबर को दीपावली का अवकाश दर्ज है। इसका अर्थ है कि रविवार होने के कारण सामान्यतःसरकारी कार्यालयों विद्यालयों और अधिकांश संस्थानों में पहले से ही साप्ताहिक छुट्टी रहेगी, जबकि निजी प्रतिष्ठानों के नियम सटीकता से अलग हो सकते हैं।

साथियों, बात अगर हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्हाइट हाउस में दीपावली उत्सव की करें तो इस वर्ष एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 6 नवंबर 2026 को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में भारतीय- अमेरिकी समुदाय के प्रमुख सदस्यों,अधिकारियों और उद्योगपतियों के साथ दीपावली समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया। इस कार्यक्रम में भारत के अमेरिका स्थित राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, प्रसिद्ध भारतीय शेफ विकास खन्ना, उद्यमी विशाल गोंडल, आईबीएम के प्रमुख अरविंद कृष्णा, माइक्रोन के प्रमुख संजय मेहरोत्रा, एफबीआई निदेशक काश पटेल तथा अमेरिका के राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक जय भट्टाचार्य सहित अनेक प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं। उद्यमी विशाल गोंडल ने राष्ट्रपति ट्रंप को तुलसीदास रचित हनुमान चालीसा की प्रति भेंट की। इस आयोजन ने अमेरिकी प्रशासन के सर्वोच्च राजनीतिक कार्यालय में भारतीय संस्कृति की उपस्थिति को एक बार फिर रेखांकित किया।

साथियों बात अगर हम विश्व के विभिन्न देशों में बसे भारत वंशियों द्वारा दीपावली मनाने की करें तो भारतीय संस्कृति का यह पर्व अब अंतरराष्ट्रीय सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।अमेरिका में न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, कैलिफोर्निया, शिकागो और टेक्सास जैसे क्षेत्रों में भारतीय समुदाय के लोग मंदिरों, सामुदायिक केंद्रों और निजी आवासों में लक्ष्मी-गणेश पूजन, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारंपरिक भोज का आयोजन करते हैं।न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर सहित अनेक सार्वजनिक स्थलों पर भारतीय संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों की चर्चा रहती है। कनाडा के टोरंटो, ब्रैम्पटन और वैंकूवर में भारतीय समुदाय दीपावली को परिवार,सामाजिक मेल-मिलाप, संगीत, नृत्य और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाता है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी और मेलबर्न में भी मंदिरों तथा भारतीय संगठनों के माध्यम से दीपावली के आयोजन होते हैं। सिंगापुर के लिटिल इंडिया क्षेत्र में दीपों, सजावट और भारतीय व्यंजनों से उत्सव का वातावरण बनता है।ब्रिटेन के संदर्भ में इस बार एक महत्वपूर्ण अपडेटहै।लंदन के ट्राफलगर स्क्वायर में 25 अक्टूबर को प्रस्तावित आधिकारिक दीपावली समारोह खराब मौसम और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण रद्द कर दिया गया था। इसलिए उसे 8 नवंबर को होने वाला निश्चित कार्यक्रम बताना सही नहीं होगा। दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात में दुबई के सुक अल सीफ में 7 और 8 नवंबर को नूर फेस्टिवल ऑफ लाइट्स आयोजित किया जा रहा है। इसमें प्रकाश की शोभायात्रा, ढोल, संगीत और नृत्य प्रस्तुतियां शामिल हैं। दुबई के मिरेकल गार्डन में भी 7 नवंबर को भारतीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों रंगोली, दीप सजावट और रोशनी से जुड़ा विशेष आयोजन निर्धारित है। इन आयोजनों से स्पष्ट होता है कि भारतवंशी जहां भी बसे हैं, उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को जीवित रखा है और स्थानीय समाज को भी इस उत्सव से जोड़ने का प्रयास किया है।

साथियों बात अगर हम पर्यावरण संरक्षण और हरित दीपावली की करें तो उत्सव का वास्तविक आनंद तभी सार्थक है जब उससे दूसरे नागरिकों, बच्चों, बुजुर्गों, पशु-पक्षियों और प्रकृति को नुकसान न पहुंचे। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली - एनसीआर के लिए 7 और 8 नवंबर को प्रमाणित हरित पटाखों की बिक्री तथा उपयोग की सीमित अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात्रि 8 से 10 बजे तक चलाए जा सकते हैं।अस्पतालों, वृद्धाश्रमों, शिक्षण संस्थानों और अधिसूचित शांत क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे चलाने पर रोक है। यह अस्थायी छूट केवल निर्धारित दो दिनों के लिए है और 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर बहाल होना है। यह आदेश विशेष रूप से दिल्ली-एनसीआर के लिए है,इसे पूरे भारत में एक समान लागू आदेश नहीं समझना चाहिए। अन्य राज्यों में संबंधित स्थानीय प्रशासन के नियमों का पालन करना जरूरी है। मिट्टी के दीपक, प्राकृतिक रंगोली, कम ध्वनि वाले उत्सव और जरूरतमंदों के बीच मिठाई तथा उपहार बांटना दीपावली की खुशियों को और सटिका से व्यापक बना सकता है।

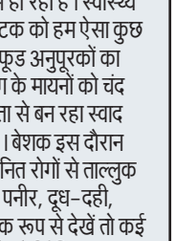
साथियों, बात अगर हम दीपावली के वैश्विक सांस्कृतिक और कूटनीतिक महत्व की करें तो आज यह पर्व भारत की सांस्कृतिक पहचान,प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संवाद का माध्यम बन चुका है। अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप का दीप प्रज्वलन, अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की रामलीला,दुबई के सार्वजनिक उत्सव और विभिन्न देशों में भारतीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी इस सांस्कृतिक विस्तार के उदाहरण हैं।दीपावली हिंदू समुदाय के साथ- साथ जैन और सिख परंपराओं में भी विशेष महत्व रखती है। जैन धर्म में भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में दीपावली का महत्व है, जबकि सिख इतिहास में यह बंदी छोड़ दिवस के रूप में स्मरण किया जाता है। इस प्रकार विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं प्रकाश, स्वतंत्रता, आत्मज्ञान और सद्भाव के संदेश को अपने- अपने तरीके से अभिव्यक्त करती हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 8 नवंबर 2026 की दीपावली केवल दीपों की जगमगाहट,मिठाइयों की मिठास और लक्ष्मी पूजन तक सीमित नहीं है। यह भारत की आध्यात्मिक विरासत,भगवान श्रीराम के आदर्शों, मां महालक्ष्मी की आराधना, आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक एकता और वैश्विक सांस्कृतिक पहचान का संगम है। हमें मां लक्ष्मी से केवल धन नहीं, बल्कि ऐसी समृद्धि मांगनी चाहिए जिसमें विद्या, स्वास्थ्य, ईमानदारी, सद्बुद्धि और दूसरों के प्रति संवेदना भी शामिल हो।भगवान श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने परिवार, समाज और राष्ट्र में सत्य, न्याय और सद्भाव के दीप जलाने चाहिए। आइए, इस दीपावली पर हम संकल्प लें कि किसी जरूरतमंद के घर भी खुशियों का दीप पहुंचे, किसी गरीब बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आए, किसी परिवार की निराशा दूर हो और मानवता का प्रकाश सीमाओं से ऊपर उठकर पूरी दुनिया को आलोकित करे।

मेरा गाँव

उदय कशोर साह

कविता



आओ गाँव की सैर करा दूँ
मित्र मंडली से तुम्हें मिला दूँ
प्रकृति की गोद में बसा मेरा गाँव
बरगद पीपल की है जहाँ पे छाँव

गाँव के किनारे नदी की रवानी
कल कल बहती गीत लगे सुहानी
स्वच्छ नीर की है यहाँ पे भंडार
अन्नदाता बसते हैं संग संग हजार

गाँव की मिट्टी से बना घर हमारा
मिट्टी की दीपक देता है उजियारा
हटिया दो दिन की है सब्जी बाजार
खेत खलियान हरी भरी बहियार

गाँव में ना है सरकार की डाक्टर
झोला छाप करते ईलाज ना बेहत्तर
सिंचाई की समस्या का है बंटाधार
भगवान के भरोसे खेती है हमार

बाग बगिचा अमुवां की है वो डाली
पत्ते में छुप कूकती कोयलिया काली
अमावश की काली रात का उपहार
पुरवाई ले आती खुशबू की बयार

शांत सौम्य मृदुभाषी है मेरा पड़ोसी
संस्कारी सुसंगति खानदानी है पुरवासी
वैमनस्यता की नहीं है यहाँ सहचार
सुख समृद्ध शांत है अपना गाँव जवार

दीपों के उत्सव में श्रम की बूंदों को मिले उचित सम्मान



संजीव ठाकुर
लेखक



भारत त्योहारों और पर्वों की भूमि है' एक ऐसा देश, जहाँ ऋतुएँ बदलती हैं तो उनके साथ लोक-जीवन में उल्लास की नई धारा प्रवाहित हो उठती है। दीपावली उत्सव दीपों और उजाले का का महापर्व अब केवल भारत देश में ही नहीं मनाया जाता बल्कि यह त्योहार अब वैश्विक स्तर पर उजाले के उत्सव के रूप में स्थापित हो चुका है। भारत का प्रत्येक उत्सव केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि संस्कृति, श्रद्धा, कृतज्ञता और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। इन्हीं पर्वों में दीपावली का स्थान सर्वोच्च और सर्वप्रिय है। आज दीपावली की ज्योति केवल भारत के आँगन में ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में प्रज्वलित होती है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, चीन, जापान जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय इसे पूरे श्रद्धा, स्नेह और संस्कारों के साथ मनाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो व्हाइट हाउस के द्वार दीपावली पर्व के लिए विशेष रूप से जनता हेतु खोल दिए और यह कहा कि – 'व्हाइट हाउस जनता का ही है, और दीपावली का यह उत्सव सबके लिए है।' डोनाल्ड ट्रंप भी इस बात से छूट नहीं उन्होंने दिवाली के लिए विशेष व्यवस्था वाशिंगटन में रखने की विशेष निर्देश दिए हैं। ग्रेट ब्रिटेन में भी यह पर्व भारत की ही भाँति उल्लास, दीपमालाओं और पारंपरिक सज्जा के साथ मनाया जाता है।कार्तिक अमावस्या की रात को जब अनगिनत दीप अपने छोटे-से अस्तित्व से अंधकार को चुनौती देते हैं, तब वह अमावस्या मानो शरद पूर्णिमा में रूपांतरित हो जाती है। यह दीपोत्सव केवल ज्योति का नहीं, आत्मा के आलोक का पर्व है। पौराणिक परंपरा के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात सीता एवं लक्ष्मण सहित अयोध्या लौटकर रावण पर विजय प्राप्त की थी। उनके स्वागत में सम्पूर्ण अयोध्या नगरी घी के दीपों से आलोकित हो उठी। इस विजयोत्सव के रूप में तब से यह पर्व अनवरत रूप से मनाया जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र-मंथन के समय इसी दिवस पर देवी लक्ष्मी का प्रादुर्भाव हुआ था; अतः इस दिन लक्ष्मी पूजन का अत्यंत शुभ महत्व है। दीपावली की रात जनमानस प्रतीक रूप में आशा और स्वागत की प्रतीक्षा में द्वार खुले रखते हैं, दीप जलाते हैं – मानो कह रहे हों, 'हे सौभाग्य, हे प्रकाश, हमारे घर में पधारो।' व्यापारी समुदाय के लिए यह पर्व नववर्ष का आरंभ भी है। वे इस दिन अपने पुराने बही-खाते समाप्त कर नवीन लेखे आरंभ करते हैं – यह नवता, स्वच्छता और शुभारंभ का प्रतीक है। वर्तमान संदर्भ में दीपावली का महत्व और भी व्यापक हो जाता है। यह दिन आर्य समाज के प्रवर्तक स्वामी दयानंद सरस्वती के निर्वाण दिवस के रूप में भी स्मरण किया जाता है। इसी प्रकार जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण भी इसी पावन तिथि को हुआ था। अतः आर्य समाज तथा जैन समुदाय के लिए यह दिन श्रद्धा, साधना और प्रकाश का विशेष पर्व है। दीपावली केवल घरों की सजावट का त्यौहार नहीं यह शरीर, मन और आत्मा की स्वच्छता का पर्व है। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई के साथ-साथ अंतःकरण के विकारों को भी धोने का प्रयास करते हैं। दीपों की लौ केवल दीवारों को नहीं, अंतरतम के अंधकार को भी आलोकित करती है। इसी उजास से उत्पन्न होती है सच्ची सम्पन्नता भौतिक नहीं, आध्यात्मिक। बाजारों की रौनक, मिठाइयों की मिठास और स्वणाभूषणों की चमक से भी परे, दीपावली का वास्तविक अर्थ है आशा, करुणा और ज्ञान का प्रसार। यही कारण है कि यह पर्व राष्ट्र की आर्थिक चेतना के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन चुका है। धनतेरस से दीपावली तक करोड़ों-अरबों का व्यापार होता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था में भी नवोन्मेष का संचार होता है।

मिट्टी के दीपों से मन की रोशनी तक: जब दिल रोशन हों, तो हर दिन दिवाली है



डॉ विजय गर्ग
लेखक



दिवाली केवल दीप जलाने, घरों को सजाने और मिठाइयाँ बाँटने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन में प्रकाश, खुशी, प्रेम, आशा और सकारात्मकता का संदेश देने वाला पवित्र अवसर है। मिट्टी के छोटे-छोटे दीपक जब अँधेरी रात में जलते हैं, तो वे हमें याद दिलाते हैं कि अँधेरा कितना भी गहरा क्यों न हो, एक छोटी-सी रोशनी भी उसे दूर करने की क्षमता रखती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या दिवाली का यह प्रकाश केवल हमारे घरों और गलियों तक ही सीमित रहना चाहिए या हमारे दिलों और विचारों में भी फैलना चाहिए?

मिट्टी का दीपक हमें सादगी, विनम्रता और सेवा का संदेश देता है। यह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाता है। मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य भी कुछ ऐसा ही होना चाहिए। यदि हमारी शिक्षा, धन, योग्यता और सफलता दूसरों के काम नहीं आती, तो उनका महत्त्व अधूरा रह जाता है। वास्तविक दिवाली वह है, जब हम किसी निराश व्यक्ति के जीवन में आशा का दीप जलाएँ, किसी गरीब के घर में खुशियाँ लाएँ और किसी जरूरतमंद की सहायता करें।

आज के समय में दिवाली की चमक-दमक कई बार इसके वास्तविक संदेश को पीछे छोड़ देती है। महँगे उपहारों, सजावट, बिजली की लड़ियों और पटाखों की होड़ में हम कई बार उन लोगों को भूल जाते हैं, जिनके पास दो वक्त की रोटी या घर में एक दीपक जलाने के लिए भी पर्याप्त साधन नहीं होते। जब एक ओर इमारतें शानदार रोशनी से जगमगाती हैं और दूसरी ओर कोई परिवार अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करता है, तो हमें त्योहार के वास्तविक अर्थ पर विचार करने की आवश्यकता है।

दिवाली हमें सामाजिक समानता और मानवता का पाठ भी पढ़ाती है। इस अवसर पर हमें घरेलू सहायकों, मजदूरों, बुजुर्गों, अनाथ बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ खुशियाँ बाँटनी चाहिए। किसी बच्चे को किताबें देना, किसी बुजुर्ग की जरूरत पूरी करना, किसी भूखे को भोजन कराना या किसी अकेले व्यक्ति के साथ कुछ समय बिताना भी दिवाली मनाने का एक सुंदर तरीका है। खुशियाँ बाँटने से कम नहीं होतीं, बल्कि कई गुना बढ़ जाती हैं। मन की रोशनी का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष हमारे विचारों की पवित्रता भी है। ईर्ष्या, नफरत, अहंकार, लालच, भेदभाव और बदले की भावना मनुष्य के भीतर अंधकार पैदा करती हैं। जब हम इन नकारात्मक भावनाओं को छोड़कर प्रेम, सहनशीलता, क्षमा और आपसी सम्मान को अपनाते हैं, तो हमारे भीतर वास्तविक प्रकाश उत्पन्न होता है। किसी से नाराज होने पर उसे क्षमा करना, पुरानी गलतफहमियाँ दूर करना और रिश्तों में फिर से प्रेम पैदा करना भी दिवाली की रोशनी का हिस्सा है। इस त्योहार को पर्यावरण के अनुकूल बनाना भी हमारी जिम्मेदारी है। पटाखों के कारण वायु और ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है, जिसका प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों, पक्षियों और जानवरों पर पड़ता है। इसलिए मिट्टी के दीपक जलाने, बिजली की अनावश्यक खपत कम करने, स्वच्छता बनाए रखने और पटाखों से परहेज करने जैसे कदम हमें एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज की ओर ले जा सकते हैं। हमें ऐसी दिवाली मनानी चाहिए, जिसकी खुशी किसी दूसरे के लिए परेशानी का कारण न बने।

माता-पिता और शिक्षकों की भी विशेष जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को दिवाली के सांस्कृतिक और नैतिक महत्त्व के बारे में समझाएँ। उन्हें बताना चाहिए कि त्योहारों की महत्ता महँगे कपड़ों या उपहारों से नहीं, बल्कि अच्छे व्यवहार, साझेदारी, दया और सेवा से बढ़ती है। यदि नई पीढ़ी त्योहारों को मानवीय मूल्यों से जोड़कर मनाना सीख ले, तो हमारी परंपराएँ और भी अर्थपूर्ण बन सकती हैं।

वास्तव में, दिवाली वर्ष में एक बार आने वाला त्योहार अवश्य है, लेकिन इसका संदेश हर दिन हमारे जीवन में जीवित रहना चाहिए। जब हम किसी की सहायता करते हैं, किसी के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, सच्चाई का साथ देते हैं और समाज में प्रेम तथा भाईचारे को मजबूत करते हैं, तो हमारे जीवन में हर दिन दिवाली जैसी खुशी पैदा होती है।

आइए, इस दिवाली पर केवल घरों की दीवारों और दरवाजों को ही नहीं, बल्कि अपने दिलों और सोच को भी रोशन करने का संकल्प लें। मिट्टी के दीपों से अपने घरों को चमकाएँ और मानवता, दया, प्रेम तथा सेवा के दीपों से समाज को रोशन करें।

क्योंकि वास्तविक दिवाली वह नहीं है, जो केवल एक रात के लिए प्रकाश करे, बल्कि वह है जो हमारे विचारों, व्यवहार और कर्मों में हमेशा के लिए रोशनी भर दे। जब दिल रोशन हों, तो हर दिन दिवाली है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम में बुजुर्ग व्यक्तियों और महिलाओं के साथ मनाई दीपावली

मिठाई, फल, वस्त्र और उपहार वितरित कर बुजुर्गों का जाना कुशलक्षेम, स्वास्थ्य, भोजन और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा







हापुड़। दीपावली का पर्व खुशियां बांटने और अपनों के साथ खुशियों के पल साझा करने का त्योहार है। इसी भावना को साकार करते हुए जिलाधिकारी कविता मीना (आईएएस) ने स्वर्ग आश्रम रोड स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां निवास कर रहे बुजुर्गों और महिलाओं के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ मनाया। जिलाधिकारी के आगमन से वृद्धाश्रम का माहौल उत्साह और खुशियों से भर गया। उन्होंने बुजुर्गों के बीच समय बिताया और उन्हें यह एहसास कराया कि समाज और प्रशासन उनके साथ खड़ा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को मिठाई, फल, वस्त्र एवं उपहार वितरित किए। उन्होंने प्रत्येक बुजुर्ग से स्नेहपूर्वक बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उनकी जरूरतों तथा समस्याओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बुजुर्गों के साथ दीप प्रज्वलित कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उनके चेहरे पर अपनत्व और सम्मान का भाव दिखाई दिया। बुजुर्गों ने भी जिलाधिकारी के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका जीवन अनुभव, ज्ञान और आशीर्वाद आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक है। परिवार और समाज को आगे बढ़ाने में बुजुर्गों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। ऐसे में उनका सम्मान करना, उनकी देखभाल करना और उन्हें सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि त्योहारों की खुशियां तभी सार्थक होती हैं, जब समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक उनका आनंद पहुंचे और कोई भी व्यक्ति अपने आपको अकेला या उपेक्षित महसूस न करे। उन्होंने कहा कि प्रशासन बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और सुविधाओं के लिए सदैव तत्पर है। वृद्धाश्रम में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम प्रबंधन को निर्देश दिए कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कराई जाए और उनकी उम्र एवं जरूरतों के अनुसार उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, रहने की व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बुजुर्गों के साथ संवेदनशीलता और सम्मानपूर्ण व्यवहार किया जाए, ताकि उन्हें घर जैसा अपनापन महसूस हो। जिलाधिकारी के वृद्धाश्रम पहुंचने और उनके साथ दीपावली मनाने से वहां रह रहे बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। मिठाई और उपहार पाकर बुजुर्ग भावुक एवं प्रसन्न नजर आए। उनके लिए यह अवसर केवल त्योहार मनाने का नहीं, बल्कि अपनत्व और सम्मान का एहसास कराने वाला भी रहा।

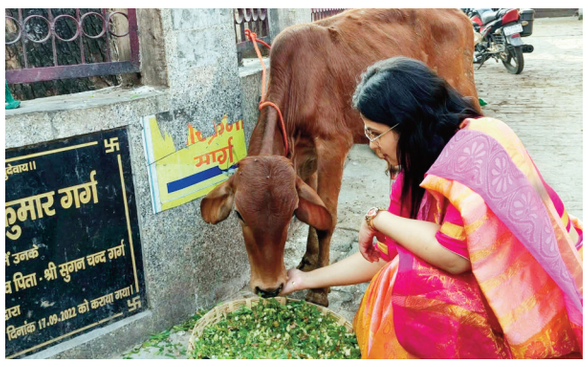
जिलाधिकारी ने सभी बुजुर्गों के सुखद, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना करते हुए उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस पहल के माध्यम से जिलाधिकारी ने समाज को यह संदेश दिया कि त्योहारों की असली खुशी दूसरों के जीवन में मुस्कान लाने और जरूरतमंदों के साथ खुशियां साझा करने में है। बुजुर्गों का सम्मान और उनकी देखभाल केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डीएम ने परिवार संग की गौ-पूजा, गायों को खिलाया गुड़ और चारा

दीपावली पर पक्के बाग स्थित गौशाला पहुंचीं जिलाधिकारी कविता मीना, गौवंश के रख-रखाव और व्यवस्थाओं का भी किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा





हापुड़। दीपावली के पावन पर्व पर जिलाधिकारी कविता मीना (आईएएस) ने अपने परिवार के साथ पक्के बाग स्थित गौशाला पहुंचकर गौ-पूजा की और गायों को भोजन कराकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक विधि-विधान से गायों को तिलक लगाया, माला पहनाई और पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। जिलाधिकारी ने गायों को गुड़, हरा चारा और अन्य खाद्य सामग्री भी खिलाई। दीपावली के अवसर पर आयोजित इस गौ-सेवा कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने गौशाला परिसर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने वहां साफ-सफाई की व्यवस्था, गायों के रख-रखाव और उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही गौशाला में रहने वाले गौवंश की देखभाल से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गौशाला में स्वच्छता बनाए रखना और गायों को समय पर पर्याप्त भोजन एवं पानी उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गौ-सेवा और गौ-संरक्षण हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। गायों की सेवा केवल धार्मिक आस्था से ही नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और जीवों के प्रति जिम्मेदारी की भावना से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे पावन पर्व पर गौ-पूजा करने से सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे अवसर हमें अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के साथ-साथ जीवों के प्रति दया और सेवा का भाव अपनाने की प्रेरणा देते हैं। जिलाधिकारी ने गौशाला प्रबंधन को निर्देश दिए कि गायों के लिए पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक चारे और स्वच्छ पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही बीमार या कमजोर गायों की पहचान कर समय पर उपचार कराया जाए तथा पशु चिकित्सा सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने गौशाला परिसर की नियमित साफ-सफाई और गौवंश के बेहतर रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा। दीपावली के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा परिवार सहित गौशाला पहुंचकर गौ-पूजा और गौ-सेवा करने की पहल ने पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को भी रेखांकित किया। इस दौरान उन्होंने गौवंश की सेवा और संरक्षण के प्रति सभी को जागरूक रहने का संदेश दिया।

जिले के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर जनगणना-2026 एवं मतदान जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। जनपद में शासन के निदेशों के क्रम में जनपद हापुड़ के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ह्यजनगणना-2026 जागरूकता' एवं 'मतदान जागरूकता अभियान' का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के आम नागरिकों को जनगणना के महत्व, सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराने की आवश्यकता तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं एवं स्थानीय महिलाओं के द्वारा विभिन्न जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं ने मेरा वोट-मेरा अधिकार एवं सही जनगणना-देश का विकास जैसे संदेशों को आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया। इसके अतिरिक्त नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नागरिकों को जनगणना में सही जानकारी उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक मत के महत्व के संबंध में जागरूक किया गया इसी क्रम में आंगनबाड़ी केन्द्रों के आसपास जागरूकता रैलियां निकाली गईं तथा उपस्थित नागरिकों को निष्पक्ष, निर्भीक एवं जिम्मेदारीपूर्वक मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जनगणना के दौरान सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने का संदेश भी दिया गया कार्यक्रम के दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों के द्वारा विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर आयोजित गतिविधियों का जायजा लिया गया तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया।

दीपावली का पर्व आपसी मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम देता है: फिरोज अख्तर

वेलकम इंडियासंवाददामा



बस्ती/संतकबीरनगर। दीपावली के पावन पर्व पर मरियम हॉस्पिटल बस्ती के डायरेक्टर फिरोज अख्तर ने जनपदवासियों सहित समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं दिली मुबारकबाद पेश की। उन्होंने इस रोशनी के त्योहार पर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, खुशहाली और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। फिरोज अख्तर ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और इंसानियत का पैगाम भी देता है। त्योहार हमें एक-दूसरे के करीब आने, आपसी मतभेद भुलाने और समाज में मोहब्बत का माहौल कायम करने का मौका देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की खूबसूरती यहां की गंगा-जमुनी तहजीब और अनेकता में एकता की परंपरा में है। सभी धर्मों के त्योहार हमें एक-दूसरे की खुशियों में शरीक होने और आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने की सीख देते हैं। दीपावली का यह मुबारक अवसर समाज में रोशनी, उम्मीद और सकारात्मकता का संदेश लेकर आता है। मरियम हॉस्पिटल के डायरेक्टर ने कहा कि उनकी दुआ है कि हर घर में खुशियों के दीप जलें, हर परिवार स्वस्थ और खुशहाल रहे तथा समाज में अमन-चैन और भाईचारा हमेशा कायम रहे। अंत में फिरोज अख्तर ने सभी से दीपावली का त्योहार आपसी प्रेम, सौहार्द और सुरक्षित तरीके से मनाने की अपील करते हुए एक बार फिर समस्त देशवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

वृद्धाश्रम पहुंचकर एसपी दीपक भूकर ने बुजुर्गों के साथ मनाई दीपावली, बांटी खुशियां और लिया आशीर्वाद

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। दीपावली के पावन पर्व पर सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं की अनूठी मिसाल पेश करते हुए प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर अपनी धर्मपत्नी आईआरएस अधिकारी अदिति मोर के साथ वृद्धाश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों के बीच पहुंचकर दीपावली की खुशियां साझा कीं और उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान एसपी दीपक भूकर और उनकी पत्नी ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने सभी का कुशलक्षेम जाना और उनके स्वास्थ्य तथा दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों का अपने बीच पाकर बुजुर्गों के चेहरे खिल उठे। दीपावली के अवसर पर एसपी दंपति ने वृद्धजनों को मिठाइयां, फल, वस्त्र और पूजन सामग्री वितरित की। उपहार पाकर बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। इस दौरान दोनों ने बुजुर्गों से आशीर्वाद भी लिया और उनके साथ कुछ समय बिताया। इस अवसर पर एसपी दीपक भूकर ने कहा कि त्योहारों की खुशियां अपनों के साथ बांटने से कई गुना बढ़ जाती हैं। बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका अनुभव और मार्गदर्शन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। बुजुर्गों की देखभाल, सम्मान और उनकी खुशियों का ध्यान रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एसपी दंपति की इस पहल ने यह संदेश दिया कि दीपावली का वास्तविक अर्थ केवल दीप जलाना और उत्सव मनाना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंदों और अपनों से दूर रह रहे लोगों के जीवन में भी खुशियों का उजाला फैलाना है। पुलिस अधीक्षक और उनकी पत्नी द्वारा वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ त्योहार मनाने की इस संवेदनशील पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है। यह कदम पुलिस प्रशासन की मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

महेशगंज पुलिस ने 58 वर्षीय वारंटी अभियुक्त उस्मान को किया गिरफ्तार



विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जनपद में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत महेशगंज थाना पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में महेशगंज पुलिस ने न्यायालय से जारी ई-गिरफ्तारी वारंट के अनुपालन में उस्मान पुत्र रसूल (उम्र करीब 58 वर्ष) निवासी ग्राम ढिंगवस, थाना लालगंज, जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 1278/14, अ0सं0 292/97, धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम के तहत थाना महेशगंज से संबंधित मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय से जारी वारंट के अनुपालन में पुलिस टीम ने अभियुक्त को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया। इस गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक शिवपाल सिंह के नेतृत्व में कांस्टेबल नीरज कुमार एवं कांस्टेबल अश्वनी खरवार शामिल रहे।

पूर्व विधायक जय चौबे के दीपावली मिलन समारोह में उमड़ा जनसैलाब, 'जय' के जयकारों से गूंजा प्रांगण

वेलकम इंडियासंवाददामा



संतकबीरनगर। दीपावली के पावन अवसर पर पूर्व विधायक जय चौबे के कार्यालय पर आयोजित भव्य 'दीपावली मिलन समारोह' में उनके समर्थकों और क्षेत्रवासियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। त्यौहार की खुशियाँ साझा करने पहुँचे हजारों चाहने वालों से पूरा प्रांगण खचाखच भर गया। इस दौरान कार्यकताओं और क्षेत्रीय जनता के जोश व उत्साह से माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो गया और चारों ओर 'जय की जय-जयकार' के गूंजते नारों ने समां बांध दिया कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक जय चौबे ने कार्यालय पहुँचे हर एक व्यक्ति से आत्मीयता से मुलाकात की और सभी का सहृदय सम्मान किया। उन्होंने आए हुए सभी समर्थकों और नागरिकों का मुँह मीठा कराया, मिष्ठान भेंट किया और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। पूर्व विधायक ने लोगों के साथ मिलकर दीप पर्व की खुशियाँ बाँटीं और सभी के जीवन में सुख, समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की समारोह में उमड़ी अपार भीड़ पूर्व विधायक जय चौबे की जनप्रियता और क्षेत्र में उनके मजबूत जनाधार को साफ बयाँ कर रही थी। समर्थकों ने फूलों की माला पहनाकर और जिंदाबाद के नारों के साथ अपने चहेते नेता का स्वागत किया। क्षेत्र के कोने-कोने से पहुँचे बुजुर्गों, युवाओं और स्थानीय संभ्रांत नागरिकों ने पूर्व विधायक को दीपावली की बधाई दी और उनके प्रति अपना अटूट विश्वास जताया पूर्व विधायक जय चौबे ने उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों का यह अगाध स्नेह, अपार प्यार और अटूट भरोसा ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे सदैव जनता के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे और संतकबीरनगर के हर नागरिक की सेवा के लिए हमेशा तत्पर

आकांक्षात्मक विकासखंड बघौली ने प्रदेश में हासिल किया दूसरा स्थान, 1.50 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि स्वीकृत

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद संतकबीर नगर के आकांक्षात्मक विकासखंड बघौली ने प्रदेश स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उत्तर प्रदेश शासन की क्रिटिकल गैप योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में विकासखंडों के प्रदर्शन के आधार पर बघौली को प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विकासखंड बघौली को पुरस्कार स्वरूप 1.50 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस उपलब्धि से जनपद का गौरव बढ़ा है और विकासखंड में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के चयनित 108 आकांक्षात्मक विकासखंडों की मार्च 2025 से मार्च 2026 तक की प्रगति के आधार पर ओवरऑल डेल्टा रैंकिंग तैयार की गई थी। इसके साथ ही विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में किए गए कार्यों और उपलब्धियों का भी मूल्यांकन किया गया। इस मूल्यांकन में बघौली विकासखंड ने प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान हासिल कर अपनी बेहतर कार्यप्रणाली और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिचय दिया। इस सफलता के पीछे स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाओं, आधारभूत अवसंरचना और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए गए निरंतर प्रयासों की अहम भूमिका रही। विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति दी गई। शासन की योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से प्रयास किए।

दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार स्व0 शोभित पाण्डेय की पुत्री की कक्षा 12वीं तक की शिक्षा निःशुल्क कराने हेतु पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर की सराहनीय पहल

कक्षा 12वीं तक की संपूर्ण फीस करायी गयी माफ

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार स्व0 शोभित पाण्डेय के परिवार के प्रति संवेदनशीलता एवं मानवीय सहयोग की भावना प्रदर्शित करते हुए पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर *श्री संदीप कुमार मीना* द्वारा उनकी पुत्री कु0 समृद्धि पाण्डेय, जो वर्तमान में *ब्लूमिंग बड्स स्कूल* में कक्षा 10वीं की छात्रा हैं, की शिक्षा को निर्बाध रूप से जारी रखने हेतु सराहनीय पहल की गई है। पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर द्वारा *ब्लूमिंग बड्स स्कूल* के प्रबंधक से वार्ता कर कु0 समृद्धि पाण्डेय की कक्षा 10वीं से लेकर कक्षा 12वीं तक की संपूर्ण फीस माफ कराने की व्यवस्था कराई गई है, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई बिना किसी आर्थिक बाधा के जारी रह सकेगी। इस मानवीय पहल में सकारात्मक सहयोग प्रदान करने एवं शिक्षा के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए संतकबीरनगर पुलिस *ब्लूमिंग बड्स स्कूल प्रबंधन* का हृदय से आभार व्यक्त करती है। संतकबीरनगर पुलिस दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार स्व0 शोभित पाण्डेय के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवं बेहतर शिक्षा के लिए सदैव शुभकामनाएं देती है ।

त्योहारों की वास्तविक खुशी अपनों के बीच होती है: मुख्यमंत्री पुष्कर धामी









वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गढ़ीकैंट स्थित गढ़वाल ग्रीन्स प्रशिक्षण मैदान में आयोजित दीपावली मिलन कार्यक्रम में वीर सैनिकों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जवानों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सैनिकों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और देश की सुरक्षा में उनके साहस, शौर्य तथा समर्पण की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़वाल रेजीमेंट के वीर जवानों के बीच आकर उन्हें ऐसा अनुभव हो रहा है, जैसे वह अपने परिवार के साथ दीपावली मना रहे हों। त्योहारों की वास्तविक खुशी अपनों के बीच होती है और सैनिक उनके परिवार का ही हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि पर्व के अवसर पर अपने घर-परिवार से दूर रहकर देश की रक्षा करना कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण है। जब देशवासी अपने परिवारों के साथ दीपावली मनाते हैं, उस समय हमारे वीर जवान सीमाओं पर मुस्तैद रहकर उनकी खुशियों और सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हैं। हमारे घरों में जलने वाले दीपों के पीछे सैनिकों का त्याग और उनके परिवारों का समर्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने अमर शहीद जसवंत सिंह रावत सहित मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी वीर सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि गढ़वाल रेजीमेंट का इतिहास अदम्य साहस, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और बलिदान की गौरवगाथा से भरा हुआ है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर स्वतंत्रता के बाद हुए विभिन्न युद्धों और सैन्य अभियानों तक रेजीमेंट के जवानों ने अपनी वीरता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है। उत्तराखंड की वीरभूमि ने हमेशा ऐसे सपूतों को जन्म दिया है, जिनके लिए राष्ट्र प्रथम और कर्तव्य सर्वोपरि रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान एवं कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से सरकार ने शहीद सैनिकों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दी है। इसके साथ ही शहीद सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी सेवा में सेवायोजित करने की व्यवस्था के तहत अनेक आश्रितों को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए आवेदन की समय-सीमा भी दो वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष कर दी गई है, ताकि शहीद परिवारों को सहायता प्राप्त करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। उन्होंने बताया कि देहरादून में निर्माणाधीन सैन्यधाम का कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है। यह सैन्यधाम देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के शौर्य, त्याग और बलिदान का प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों का सम्मान केवल किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके योगदान और उनके परिवारों के त्याग को हमेशा याद रखा जाना चाहिए। दीपावली मिलन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सैनिकों के साथ समय बिताया और उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके सम्मान, कल्याण और परिवारों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में सैन्य अधिकारियों और जवानों की उपस्थिति ने आयोजन को आत्मीय एवं भावपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर गढ़वाल मंडल आयुक्त आनन्द स्वरूप, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप, उत्तराखंड सब एरिया के डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर आर.एस. थापा, कर्नल प्रतुल थपलियाल, लेफ्टिनेंट कर्नल रवि मोहन बिष्ट, लेफ्टिनेंट कर्नल मोहित जोशी, लेफ्टिनेंट कर्नल एस.एस. सिद्दीकी, मेजर के.डी. सिंह और सूबेदार मेजर रघुवीर सिंह भंडारी सहित अन्य सैन्य अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

सचिव की गिरफ्तारी से अडींग पंचायत में करोड़ों रूपये कमीशनखोरी का मामला गरमाया

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा /गोवर्धन। गोवर्धन क्षेत्र की 39 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस ग्रांट वाली अडींग पंचायत में कथित कमीशनखोरी और वित्तीय अनियमितताओं का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। पंचायत सचिव मनीष भंडारी को शुक्रवार शाम आगरा विजिलेंस टीम ने एक ठेकेदार के बकाया बिलों का भुगतान करने के एवज में एक लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के बाद पंचायत में हुए विकास कार्यों और करोड़ों रुपये के खर्च पर सवाल खड़े हो गए हैं। लोकायुक्त परिवादी अजीत सैनी ने आरोप लगाया कि पंचायत में 30 से 40 फीसदी तक कमीशनखोरी का खेल चला। इस हिसाब से 39 करोड़ रुपये के कार्यों में करीब 12 से 15 करोड़ रुपये कमीशन के रूप में बांटे जाने की आशंका है। उनका आरोप है कि लोकायुक्त स्तर से जांच के बावजूद जिला और मंडल स्तरीय अधिकारियों ने अनियमितताओं पर पर्दा डाल दिया। यहां तक कि मंडलीय टीम गांव पहुंचे बिना ही जांच पूरी कर गई। इस संबंध में दोबारा लोकायुक्त से शिकायत की गई है और अब विजिलेंस टीम को भी साक्ष्य उपलब्ध कराने की तैयारी है। मुख्य श्मशान में चंदे से बने शेड पर पंचायत से चार लाख रुपये निकालने, जीआईसी श्मशान के लिए पहले ही 10 लाख रुपये निकालकर शिकायत के बाद काम कराने, डंपिंग यार्ड का गेट टूटने और टीन उड़ने के बावजूद उपयोग नहीं होने तथा एसटीपी पर लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी व्यवस्था बेकार पड़े रहने के आरोप हैं। इसके अलावा दो आरओ एटीएम, कैफेटेरिया, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रतन पार्क के अनुपयोगी पड़े रहने, आठ करोड़ रुपये के मंडी स्थल की दुकानों का आवंटन नहीं होने तथा पंचायत बोर्ड भंग होने और 12 सदस्यों के पद छोड़ने के बावजूद प्रधान को प्रशासक बनाए रखने पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि प्रधान का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी डीपीआरओ ने करीब एक करोड़ रुपये निकलवाए।

पत्रकार शोभित पांडेय को बचाने आधी रात दो किलोमीटर पैदल दौड़े कोतवाल जयप्रकाश दुबे, हर कोशिश के बाद भी नहीं बच सकी जान

पत्रकार की एक फोन कॉल पर तत्काल मदद के लिए पहुंचे कोतवाल, अपनी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। खाकी वर्दी का फर्ज केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि जरूरत के समय मानवता और संवेदनशीलता का परिचय देना भी है। संत कबीर नगर के खलीलाबाद कोतवाली प्रभारी जयप्रकाश दुबे ने आधी रात को जिस तत्परता और मानवीय संवेदना का परिचय दिया, उसने पुलिस और पत्रकारिता जगत के बीच आत्मीय संबंधों की एक भावुक तस्वीर सामने रखी है। एक पत्रकार की जिंदगी बचाने के लिए कोतवाल ने रात के सन्नाटे में हरसंभव प्रयास किया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद जिंदगी की डोर नहीं बच सकी। घटना बीते मंगलवार की रात करीब एक बजे की है। रात के सन्नाटे के बीच पत्रकार शोभित पांडेय अचानक सीने में तेज दर्द महसूस करने लगे। बाथरूम से बाहर निकलने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तत्काल खलीलाबाद कोतवाली प्रभारी जयप्रकाश दुबे को फोन कर अपनी परेशानी बताई। फोन पर सूचना मिलते ही कोतवाल ने मामले को गंभीरता से लिया और बिना समय गंवाए उनकी मदद के लिए निकल पड़े।

बताया जाता है कि उस समय सेकंड दरोगा सरकारी वाहन लेकर रात्रि गश्त पर निकले हुए थे। ऐसे में सरकारी वाहन का इंतजार करने के बजाय कोतवाल जयप्रकाश दुबे ने स्वयं पैदल ही पत्रकार शोभित पांडेय



के आवास की ओर रुख कर लिया। कोतवाली से करीब दो किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए उन्होंने रात के अंधेरे और समय की परवाह नहीं की। इसी दौरान उन्होंने चीता मोबाइल को सूचना दी और अपने अन्य सहयोगियों को भी तत्काल मौके पर पहुंचने के लिए फोन किया, ताकि उपचार में किसी प्रकार की देरी न हो। करीब 15 मिनट बाद कोतवाल शोभित पांडेय के आवास पर पहुंच गए। वहां पहुंचते ही उन्होंने बिना समय गंवाए उन्हें अपनी सरकारी गाड़ी में बैठाया और तत्काल जिला अस्पताल की ओर रवाना हो गए। उस समय उनकी पूरी कोशिश यही थी कि समय रहते पत्रकार को बेहतर उपचार मिल सके और उनकी जान बचाई जा सके। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने शोभित पांडेय का परीक्षण किया, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह खबर सुनते ही परिजनों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। जिस परिवार को कुछ देर पहले तक उपचार से उम्मीदें थीं, वहां अचानक मातम छा गया। इस दुखद घटना के बाद भी कोतवाल जयप्रकाश दुबे ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा। अस्पताल पहुंचाने के बाद उन्होंने अपनी भूमिका समाप्त नहीं समझी, बल्कि पूरी रात अस्पताल में मौजूद रहकर परिजनों को सूचना दिलाने और आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कराने में सहयोग किया। दुख की इस घड़ी में उन्होंने परिवार के साथ खड़े रहकर मानवीय संवेदना और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। एक पुलिस अधिकारी के रूप में उनकी यह तत्परता इस बात का उदाहरण बनी कि वर्दी के पीछे भी एक संवेदनशील इंसान होता है, जो किसी की तकलीफ को अपनी जिम्मेदारी समझता है। पत्रकार शोभित पांडेय के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक का माहौल है।

दिवाली पर सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, अड़ींग बाजार में चौकी प्रभारी ने किया पैदल निरीक्षण



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। दिवाली के त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में अड़ींग चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने पुलिस बल के साथ अड़ींग के मुख्य बाजार में पैदल निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस टीम ने बाजार के प्रमुख मार्गों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। त्योहार के चलते बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना, चोरी, छिनैती और यातायात संबंधी परेशानी को रोकने के लिए पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। चौकी प्रभारी ने पुलिसकर्मियों को बाजार में लगातार गश्त करने और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही व्यापारियों और स्थानीय लोगों से त्योहार के दौरान पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने बताया कि दिवाली के त्योहार को देखते हुए पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। बाजार में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित गश्त और निरीक्षण किया जा रहा है।

जीएम नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज में मना दीपोत्सव

रंगोली प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/गोवर्धन। कुंजेरा रोड स्थित जीएम नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दीपावली के पावन अवसर पर भव्य दीपोत्सव एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज परिसर दीपकों की रोशनी और छात्र-छात्राओं की ओर से बनाई गई आकर्षक रंगोलियों से जगमगा उठा। विद्यार्थियों ने अपनी कला और रचनात्मकता के माध्यम से दीपावली के उत्साह को और भी खास बना दिया। प्रतियोगिता में एएनएम और जीएनएम के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने जलते हुए दीपकों के बीच सुंदर रंगोलियां सजाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। किसी ने फूलों की आकर्षक आकृतियां बनाईं तो किसी ने दीपकों को अलग-अलग आकार में सजाकर मनमोहक कलाकृतियां तैयार कीं। छात्राओं द्वारा बनाई गई मुरली और मोर पंख की रंगोली विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके अलावा फूलों और दीपकों से तैयार की गई रंगोलियों ने भी उपस्थित लोगों का ध्यान खींचा। प्रतियोगिता दो से तीन चरणों में आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं की विभिन्न टोलियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। परिणामों में दीपकों के साथ सजाई गई भव्य फूलों की रंगोली को प्रथम स्थान मिला। यह रंगोली फाल्गुनी, ब्रजेश, ज्योति और कल्पना की टोली ने तैयार की। गुलाब के फूल की मनमोहक आकृति वाली रंगोली दूसरे स्थान पर रही, जिसे संगीता, युगलेश, अनीशा और तनु ने बनाया। वहीं पारंपरिक ढंग से सजाए गए दीपकों की रंगोली तीसरे स्थान पर रही। इसे सोनिया, खुशी और नीतू ने तैयार किया। प्रतियोगिता में प्राची, खुशबू, डोली, अमन और राहुल सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता और मेहनत से रंगोलियों को आकर्षक रूप दिया।

रामलीला मैदान में पटाखों की दुकानों का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा इंतजाम परखे

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। शनिवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने रामलीला मैदान में लगी पटाखों की दुकानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने दुकानों पर रखे फायर एक्सटिंग्विशर, बालू, पानी और अन्य अग्निशमन उपकरणों की जांच की। जिलाधिकारी ने स्वयं अग्निशामक यंत्रों की कार्यशीलता और एक्सपायरी चेक की। इस दौरान अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने फायर एक्सटिंग्विशर चलाने का डेमो भी दिया। जिलाधिकारी ने दुकानदारों को निर्देश दिए कि दुकानों पर अग्निशमन उपकरण हमेशा उपलब्ध और चालू हालत में रखें। किसी भी दुकान पर ज्वलनशील सामग्री न रखी जाए और निर्धारित सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड को सतर्क रखने के निर्देश दिए। एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिसकर्मियों को दुकानों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने, भीड़ नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि त्योहारों के दौरान जनसुरक्षा सर्वोपरि है। सुरक्षा मानकों में लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में खलीलाबाद तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान सुनी गई फरियादियों की शिकायतें

डीएम अनुज मलिक ने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश, एसपी ने थानाध्यक्षों को शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी अनुज मलिक की अध्यक्षता में खलीलाबाद तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर निस्तारण योग्य शिकायतों का संबंधित अधिकारियों के माध्यम से तत्काल समाधान कराया। शेष प्रार्थना पत्रों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता की संतुष्टि का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने विभाग से संबंधित जनसमस्याओं का समय से और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय जरूरत पड़ने पर मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच की जाए। खलीलाबाद तहसील में विभिन्न मामलों से संबंधित कुल 54 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से जिलाधिकारी ने संबंधित राजस्व अधिकारियों, कर्मचारियों और विभागीय अधिकारियों से प्रकरणों की विस्तृत जानकारी लेकर छह शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया। इसके अलावा तीन मामलों में स्थलीय निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम भेजी गई। शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण



करने के निर्देश दिए गए। कानून एवं व्यवस्था से संबंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने की। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक मामले में संबंधित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच करें। राजस्व विभाग से जुड़े विवादों में संबंधित राजस्व अधिकारी और कर्मचारी के साथ संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इसी क्रम में धनघटा तहसील में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह भी मौजूद रहे। अपर जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवाद, जमीन की पैमाइश, अतिक्रमण, वरासत और खतौनी में त्रुटियों से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में संबंधित कर्मचारी मौके पर जाकर जांच करें और दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। धनघटा तहसील में कुल 23 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 10 का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय मिश्रा, तहसीलदार धनघटा प्रतिमा मौर्या सहित राजस्व निरीक्षक, तहसील के राजस्व कर्मचारी और लेखपाल उपस्थित रहे।

वहीं मेंहदावल तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने की। उन्होंने राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों को सुनते हुए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में आवश्यकता के अनुसार स्थलीय जांच कराई जाए। दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनने के बाद निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई की जाए, जिससे विवादों का उचित समाधान हो सके। मेंहदावल तहसील में कुल 53 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से छह शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया, जबकि तीन मामलों में स्थलीय निरीक्षण के लिए संबंधित टीम भेजी गई। शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी क्षिप्रा पाल, तहसीलदार राम जी सहित तहसील के अधिकारी, राजस्व कर्मचारी और लेखपाल उपस्थित रहे। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 130 फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं। इनमें से 22 प्रकरणों का तत्काल निस्तारण कराया गया, जबकि तीन मामलों में स्थलीय निरीक्षण के लिए टीमें भेजी गईं। अधिकारियों को शेष शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान करने के निर्देश दिए गए।

वोटर लिस्ट पर सपा का फोकस, बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय करने के निर्देश

फार्म-6, 7 और 8 के जरिए मतदाता सूची दुरुस्त कराने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक गतिविधियों और निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के तहत चलाए जा रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो कार्यकताओं के खिलाफ छह वर्ष के निष्कासन का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शों तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की ओर से भेजे गए पत्रों के अनुपालन में पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6, मृतक एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटवाने के लिए फार्म-7 तथा नाम और अन्य विवरणों में संशोधन के लिए फार्म-8 का उपयोग किया जाए।उन्होंने विधानसभा अध्यक्षों, सेक्टर प्रभारियों और बूथ स्तर के पदाधिकारियों को अभियान में पूरी सक्रियता से जुटने के निर्देश दिए। साथ ही जिला कमेटी और सभी फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों से भी मतदाता सूची को दुरुस्त कराने में सहयोग करने का आह्वान किया गया। बैठक में इस कार्य को संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताते हुए बूथ स्तर तक निगरानी और समन्वय बनाए रखने पर बल दिया गया।बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पुन्नापुर जितौरिया निवासी दिनेश वर्मा पुत्र चेतराम वर्मा तथा बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र के मोहल्ला ग्यासपुर निवासी तंजीफ रजा पुत्र तौफीक से जुड़ा रहा। पार्टी की ओर से दोनों पर कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने और सोशल मीडिया पर पार्टी विरोधी संदेश एवं वीडियो प्रसारित करने के आरोप लगाए गए। बैठक में इन गतिविधियों की निंदा करते हुए दोनों की प्राथमिक सदस्यता समाप्त करने तथा छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।बैठक में राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भुल्लर, पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां फूलबाबू, पूर्व जिला महासचिव यूसुफ कादरी, डॉ. रत्नेश गंगवार, धनपति वर्मा एडवोकेट, गयासुद्दीन कादरी, अजय भारती, आकिल खां अजीजी, चैतन्य गिरी, बालकराम सागर, पूरनपुर विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव, नवी हसन मंसूरी, रामनरेश वर्मा, रिहान अंसारी, सदाकत अली, इमरान खान, अशफाक अहमद बरकाती, रामबहादुर यादव, शरफुद्दीन नूरी, कमलेश परिहार, नरेश कुमार सागर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दीपावली पर यातायात व्यवस्था संभालने सड़क पर उतरे टीआई, एनएच-19 के प्रमुख बस स्टॉपों पर पुलिस की विशेष निगरानी

यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से बसों में कराया जा रहा सवार



वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। दीपावली पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए आगरा यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था लागू की है। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर प्रमुख बस स्टॉपों पर यातायात पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद के निर्देशन में आईएसबीटी बस स्टैंड, अब्बूलाला दरगाह कट, सुधा नर्सरी और रामबाग पुल सहित प्रमुख स्थानों पर विशेष निगरानी की जा रही है। यातायात निरीक्षक (टीआई) स्वयं मौके पर मौजूद रहकर यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से बसों में सवार करा रहे हैं, ताकि सड़क पर अनावश्यक भीड़ और जाम की स्थिति न बने। इस दौरान टीआई पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर बसों के संचालन और वाहनों की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने में जुटे हैं। त्योहार के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए हैं। आगरा यातायात पुलिस ने वाहन चालकों और यात्रियों से यातायात नियमों का पालन करने तथा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि त्योहार के दौरान आमजन की सुरक्षित यात्रा और सुगम यातायात व्यवस्था उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दीपावली की पूर्व संध्या पर बाजार में उमड़ी भीड़, आतिशबाजी की खरीदारी को लेकर दिखा उत्साह

वेलकम इंडिया संवाददाता



अमरिया/पीलीभीत। दीपावली पर्व को लेकर कस्बे में रौनक बढ़ गई है। त्योहार की पूर्व संध्या पर शनिवार को बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही लोग परिवार के साथ खरीदारी के लिए बाजार पहुंचने लगे। मिठाइयों, पूजन सामग्री, सजावटी सामान और आतिशबाजी की दुकानों पर दिनभर चहल-पहल बनी रही। दीपावली मनाने को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खासा उत्साह दिखाई दिया।कस्बे के राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में पटाखों की बिक्री के लिए एक दर्जन से अधिक दुकानें लगाई गई हैं। यहां विभिन्न प्रकार की आतिशबाजी खरीदने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है। इस बार स्काई शॉट लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। इसके अलावा बच्चों के लिए भी रंग-बिरंगी आतिशबाजी की खरीदारी की जा रही है। पटाखा बाजार में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दुकानों के बीच निर्धारित दूरी रखी गई है। दुकानदारों को आग से बचाव के लिए अग्निशमन यंत्र और पानी से भरे ड्रम रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही अलग-अलग स्थानों पर बालू की व्यवस्था भी कराई गई है।उधर, घरों को आकर्षक ढंग से सजाने के लिए रंग-बिरंगी झालरों और इलेक्ट्रॉनिक सजावटी सामान की भी खूब बिक्री हो रही है। बाजार में खील-बताशे, चीनी के खिलौने, मिट्टी के दीपक, रूई तथा भगवान गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ देखी गई। लोग पूजन सामग्री और घरों की सजावट के लिए अपनी पसंद के सामान की खरीदारी करते नजर आए।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थानाध्यक्ष अमित सिंह ने पटाखा बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने दुकानों पर अग्निशमन संबंधी इंतजामों को देखा और व्यापारियों को निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया अजमत- ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस, उलमा ने दिया अमन और भाईचारे का पैगाम

जश्न-ए-दस्तारबंदी में उलेमाओं व हुफ्फाज को पहनाई गई दस्तार, रातभर गूंजते रहे नातिया कलाम और तकरीरें

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती





पूरनपुर/पीलीभीत। नगर के मोहल्ला करीमगंज स्थित दारुल उलूम अरबिया कादरिया में शुक्रवार, 6 नवंबर को बाद नमाज-ए-इशा सालाना अजमत-ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस व जश्न-ए-दस्तारबंदी का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था, अकीदत और एहतराम से सराबोर इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। देर रात तक चले जलसे में उलेमाओं की तकरीरों और शायर-ए-इस्लाम के नातिया कलाम से माहौल पूरी तरह रूहानी बना रहा।कार्यक्रम की सरपरस्ती खानकाह- ए-आलिया कादरिया चिश्तिया महबूदिया, बिलग्राम शरीफ के सज्जादानशीन पीर-ए-तरीकत, रहबर- ए- शरीयत हजरत अल्लामा मौलाना सैयद ओवैस मुस्तफा कादरी चिश्ती वास्ती ने फरमाई। मुख्य वक्ताओं के रूप से खतीब- ए- अहल- ए-सुन्नत हजरत अल्लामा मौलाना मुहम्मद आमिर रजा खान, हजरत अल्लामा मौलाना तौसीफ रजा खान संभल और अल्लामा मौलाना सलाहुद्दीन अय्यूबी बरेली शरीफ सहित कई नामचीन उलेमा शामिल हुए।इसके अलावा हजरत मौलाना इरशाद अलकादरी, मौलाना जहीरुद्दीन खान मरकजी, मौलाना जाहिद रजा हसनी और शायर-ए-इस्लाम सैयद कैफी अली बुलंदशहर ने भी अपनी तकरीरों और कलाम के माध्यम से लोगों को धार्मिक शिक्षा, आपसी मोहब्बत और भाईचारे का संदेश दिया। वक्ताओं ने अपने बयानों में पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद मुस्तफा की शिक्षाओं और उनके बताए रास्ते पर चलने की अहमियत पर रोशनी डाली।कॉन्फ्रेंस का प्रमुख आकर्षण जश्न-ए-दस्तारबंदी रहा। इस दौरान दारुल उलूम अरबिया कादरिया और जामिया तुल मुस्तफा लिलबनात में तालीम हासिल करने वाले फारिग तालिबे इल्म, उलेमा और हुफ्फाज की दस्तारबंदी की गई। कारी मोहम्मद तस्लीम, मौलाना मोहम्मद आदिल, मौलाना ओवैस रजा, मौलाना फरमान रजा और मौलाना उमरान रजा सहित कई छात्रों को दस्तार पहनाकर सम्मानित किया गया। इस रस्म को उलेमा नूर अहमद अजहरी, कारी इरशाद अहमद और इरशाद बरकाती ने अंजाम दिया।रातभर चले इस धार्मिक आयोजन में दूरदराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। कार्यक्रम के समापन पर मुल्क में अमन-चैन, आपसी सौहार्द, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ की गई। आयोजन को सफल बनाने में दारुल उलूम अरबिया कादरिया की इंतजामिया कमेटी और स्थानीय लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सुरक्षा

पेनाल्टी शूटआउट में नानपारा ने पीलीभीत को हराया, सेमीफाइनल में बनाई जगह

मैदान पर दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर, गोलकीपर रूबिन बने मैन ऑफ द मैच



वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित मैत्री फुटबॉल फेस्टिवल में रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी है। प्रतियोगिता के दूसरे क्वार्टर फाइनल में नवोदय फुटबॉल क्लब नानपारा और डीएफ पीलीभीत के बीच जोरदार भिड़ंत देखने को मिली। दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया, लेकिन निर्धारित खेल के दौरान कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी मैच की शुरूआत से ही दोनों ओर के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। गेंद पर नियंत्रण बनाने से लेकर विपक्षी टीम के गोलपोस्ट तक पहुंचने के लिए खिलाड़ियों के बीच लगातार संघर्ष चलता रहा। कई बार गोल करने के बेहतरीन मौके बने, लेकिन दोनों टीमों के मजबूत डिफेंस और गोलकीपरों की सतर्कता के चलते गेंद गोलपोस्ट में नहीं पहुंच सकी। निर्धारित समय तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ।इसके बाद मैच का फैसला करने के लिए दोनों टीमों के बीच पेनाल्टी शूटआउट कराया गया। इसमें प्रत्येक टीम को पांच-पांच पेनाल्टी शूट करने का अवसर मिला। रोमांचक शूटआउट में नवोदय फुटबॉल क्लब नानपारा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे और मुकाबले में जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही नानपारा की टीम ने प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया।नानपारा टीम के गोलकीपर रूबिन ने पूरे मुकाबले में बेहतरीन रक्षात्मक प्रदर्शन किया। उनकी मुस्तैदी और शानदार बचाव को देखते हुए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।आयोजकों के अनुसार दीपावली पर्व के चलते 8 नवंबर को प्रतियोगिता का कोई मुकाबला आयोजित नहीं होगा। अब 9 नवंबर को फर्स्ट इलेवन क्लब नेपाल और गोरखपुर की टीमों के बीच प्रतियोगिता का छठा लीग मुकाबला खेला जाएगा। फुटबॉल प्रेमियों को इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का डॉ. रत्नेश गंगवार ने किया सम्मान

डिजिटल क्रिएटर्स समाज की आवाज बनकर निभा रहे अहम भूमिका, जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की अपील

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



बीसलपुर/पीलीभीत। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय युवाओं के योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शनिवार को बीसलपुर स्थित जनसंपर्क कार्यालय पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं समाजवादी पार्टी से प्रबल दावेदारी कर रहे डॉ. रत्नेश गंगवार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल क्रिएटर्स को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।समारोह के दौरान डिजिटल क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे युवाओं और कंटेंट क्रिएटर्स को शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न एवं मिष्ठान भेंटकर सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान पाकर प्रतिभागियों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में उत्साह और आपसी संवाद का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर डॉ. रत्नेश गंगवार ने कहा कि वर्तमान दौर में सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज को जागरूक करने, जनसमस्याओं को सामने लाने और महत्वपूर्ण जानकारियों को आम लोगों तक पहुंचाने का सशक्त मंच बन चुका है। डिजिटल क्रिएटर्स अपनी रचनात्मकता और सक्रियता के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की ताकत उसकी पहुंच और प्रभाव में निहित है। यदि इस माध्यम का उपयोग जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच के साथ किया जाए तो यह सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के साथ ही आमजन की आवाज को भी मजबूती दे सकता है। उन्होंने क्रिएटर्स से अपील की कि वे निष्पक्षता, सच्चाई और जनहित को प्राथमिकता देते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाएं। कार्यक्रम के माध्यम से डिजिटल क्षेत्र में काम कर रहे युवाओं को प्रोत्साहन देने और उनके योगदान को सार्वजनिक रूप से पहचान दिलाने का संदेश दिया गया। समारोह को क्षेत्र के सोशल मीडिया जगत से जुड़े लोगों के उत्साहवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

त्योहारों पर सुरक्षा में चूक बर्दाश्त नहीं, एसीपी बजरंग प्रसाद ने थाना प्रभारियों को दिए सख्त निर्देश

दीपावली, धनतेरस, भैयादूज और देवछठ पर विशेष सतर्कता के निर्देश, संवेदनशील इलाकों में बैरिकेडिंग और सघन चेकिंग अभियान चलाने के आदेश

वेलकम इंडिया/मयूर खान



आगरा। आगामी दीपावली, धनतेरस, भैयादूज एवं देवछठ पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए आगरा पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़, यातायात का दबाव और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार (आईपीएस) के निर्देशन में शुक्रवार, 6 नवंबर 2026 को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) हरीपर्वत बजरंग प्रसाद ने अपने सर्किल के सभी थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित की। बैठक में त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने, अपराध नियंत्रण और आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा गोष्ठी में एसीपी बजरंग प्रसाद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और सुरक्षा इंतजामों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रमुख मार्गों, संवेदनशील स्थानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में बैरिकेडिंग लगाकर सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर विशेष नजर रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसीपी ने बाजारों, व्यस्त मार्गों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की निरंतर गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय बाजारों में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी जरूरी है। सभी थाना प्रभारी अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का नियमित निरीक्षण करें और आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिक बिना किसी भय के त्योहार मना सकें। बैठक में एसीपी बजरंग प्रसाद ने पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) की सक्रियता और दृश्यता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पीआरवी वाहन प्रमुख स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें, जिससे किसी भी आपात स्थिति में पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच सके। उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जाम की समस्या से निपटने, वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित रखने और आम लोगों को आवागमन में परेशानी न होने देने के लिए पुलिसकर्मियों की उचित ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने को कहा गया। एसीपी ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में त्योहारों की सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस की नियमित कार्यप्रणाली और जनशिकायतों के निस्तारण की भी समीक्षा की गई। एसीपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस एवं जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण किया जाए। शिकायतों को लंबित रखने के बजाय उनकी गंभीरता से जांच कर पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने, महिला एवं बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। इसके अलावा लंबित विवेचनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि अपराध की संभावनाओं को रोकना और आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास कायम करना भी है। एसीपी बजरंग प्रसाद ने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी जिम्मेदारी, सक्रियता और सतर्कता के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिसकर्मी जनता के साथ बेहतर व्यवहार रखें और किसी भी शिकायत या सूचना पर तत्काल संज्ञान लें। त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय पहले से सुनिश्चित किए जाएं। आगरा पुलिस का मुख्य उद्देश्य दीपावली सहित आगामी सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखना और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और पूरे क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जाएगी।

वोटर लिस्ट पर सपा का फोकस, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के निर्देश

फार्म-6, 7 और 8 के जरिए मतदाता सूची दुरुस्त कराने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक गतिविधियों और निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के तहत चलाए जा रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो कार्यकताओं के खिलाफ छह वर्ष के निष्कासन का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शों तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की ओर से भेजे गए पत्रों के अनुपालन में पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6, मृतक एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटवाने के लिए फार्म-7 तथा नाम और अन्य विवरणों में संशोधन के लिए फार्म-8 का उपयोग किया जाए।उन्होंने विधानसभा अध्यक्षों, सेक्टर प्रभारियों और बूथ स्तर के पदाधिकारियों को अभियान में पूरी सक्रियता से जुटने के निर्देश दिए। साथ ही जिला कमेटी और सभी फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों से भी मतदाता सूची को दुरुस्त कराने में सहयोग करने का आह्वान किया गया। बैठक में इस कार्य को संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताते हुए बूथ स्तर तक निगरानी और समन्वय बनाए रखने पर बल दिया गया।बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पुन्नापुर जितौरिया निवासी दिनेश वर्मा पुत्र चेतराम वर्मा तथा बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र के मोहल्ला ग्यासपुर निवासी तंजीफ रजा पुत्र तौफीक से जुड़ा रहा। पार्टी की ओर से दोनों पर कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने और सोशल मीडिया पर पार्टी विरोधी संदेश एवं वीडियो प्रसारित करने के आरोप लगाए गए। बैठक में इन गतिविधियों की निंदा करते हुए दोनों की प्राथमिक सदस्यता समाप्त करने तथा छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।बैठक में राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भुल्लर, पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां फूलबाबू, पूर्व जिला महासचिव यूसुफ कादरी, डॉ. रत्नेश गंगवार, धनपति वर्मा एडवोकेट, गयासुद्दीन कादरी, अजय भारती, आकिल खां अजीजी, चैतन्य गिरी, बालकराम सागर, पूरनपुर विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव, नवी हसन मंसूरी, रामनरेश वर्मा, रिहान अंसारी, सदाकत अली, इमरान खान, अशफाक अहमद बरकाती, रामबहादुर यादव, शरफुद्दीन नूरी, कमलेश परिहार, नरेश कुमार सागर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दीपावली पर यातायात व्यवस्था संभालने सड़क पर उतरे टीआई, एनएच-19 के प्रमुख बस स्टॉपों पर पुलिस की विशेष निगरानी

यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से बसों में कराया जा रहा सवार



वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। दीपावली पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए आगरा यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था लागू की है। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर प्रमुख बस स्टॉपों पर यातायात पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद के निर्देशन में आईएसबीटी बस स्टैंड, अब्बूलाला दरगाह कट, सुधा नर्सरी और रामबाग पुल सहित प्रमुख स्थानों पर विशेष निगरानी की जा रही है। यातायात निरीक्षक (टीआई) स्वयं मौके पर मौजूद रहकर यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से बसों में सवार करा रहे हैं, ताकि सड़क पर अनावश्यक भीड़ और जाम की स्थिति न बने। इस दौरान टीआई पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर बसों के संचालन और वाहनों की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने में जुटे हैं। त्योहार के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए हैं। आगरा यातायात पुलिस ने वाहन चालकों और यात्रियों से यातायात नियमों का पालन करने तथा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि त्योहार के दौरान आमजन की सुरक्षित यात्रा और सुगम यातायात व्यवस्था उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पेनाल्टी शूटआउट में नानपारा ने पीलीभीत को हराया, सेमीफाइनल में बनाई जगह

मैदान पर दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर, गोलकीपर रूबिन बने मैन ऑफ द मैच



वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित मैत्री फुटबॉल फेस्टिवल में रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी है। प्रतियोगिता के दूसरे क्वार्टर फाइनल में नवोदय फुटबॉल क्लब नानपारा और डीएफ पीलीभीत के बीच जोरदार भिड़ंत देखने को मिली। दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया, लेकिन निर्धारित खेल के दौरान कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी।मैच की शुरूआत से ही दोनों ओर के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। गेंद पर नियंत्रण बनाने से लेकर विपक्षी टीम के गोलपोस्ट तक पहुंचने के लिए खिलाड़ियों के बीच लगातार संघर्ष चलता रहा। कई बार गोल करने के बेहतरीन मौके बने, लेकिन दोनों टीमों के मजबूत डिफेंस और गोलकीपरों की सतर्कता के चलते गेंद गोलपोस्ट में नहीं पहुंच सकी। निर्धारित समय तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ।इसके बाद मैच का फैसला करने के लिए दोनों टीमों के बीच पेनाल्टी शूटआउट कराया गया। इसमें प्रत्येक टीम को पांच-पांच पेनाल्टी शूट करने का अवसर मिला। रोमांचक शूटआउट में नवोदय फुटबॉल क्लब नानपारा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे और मुकाबले में जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही नानपारा की टीम ने प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया।नानपारा टीम के गोलकीपर रूबिन ने पूरे मुकाबले में बेहतरीन रक्षात्मक प्रदर्शन किया। उनकी मुस्तैदी और शानदार बचाव को देखते हुए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।आयोजकों के अनुसार दीपावली पर्व के चलते 8 नवंबर को प्रतियोगिता का कोई मुकाबला आयोजित नहीं होगा। अब 9 नवंबर को फर्स्ट इलेवन क्लब नेपाल और गोरखपुर की टीमों के बीच प्रतियोगिता का छठा लीग मुकाबला खेला जाएगा। फुटबॉल प्रेमियों को इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का डॉ. रत्नेश गंगवार ने किया सम्मान

डिजिटल क्रिएटर्स समाज की आवाज बनकर निभा रहे अहम भूमिका, जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की अपील

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



बीसलपुर/पीलीभीत। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय युवाओं के योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शनिवार को बीसलपुर स्थित जनसंपर्क कार्यालय पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं समाजवादी पार्टी से प्रबल दावेदारी कर रहे डॉ. रत्नेश गंगवार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल क्रिएटर्स को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।समारोह के दौरान डिजिटल क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे युवाओं और कंटेंट क्रिएटर्स को शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न एवं मिष्ठान भेंटकर सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान पाकर प्रतिभागियों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में उत्साह और आपसी संवाद का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर डॉ. रत्नेश गंगवार ने कहा कि वर्तमान दौर में सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज को जागरूक करने, जनसमस्याओं को सामने लाने और महत्वपूर्ण जानकारियों को आम लोगों तक पहुंचाने का सशक्त मंच बन चुका है। डिजिटल क्रिएटर्स अपनी रचनात्मकता और सक्रियता के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की ताकत उसकी पहुंच और प्रभाव में निहित है। यदि इस माध्यम का उपयोग जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच के साथ किया जाए तो यह सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के साथ ही आमजन की आवाज को भी मजबूती दे सकता है। उन्होंने क्रिएटर्स से अपील की कि वे निष्पक्षता, सच्चाई और जनहित को प्राथमिकता देते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाएं। कार्यक्रम के माध्यम से डिजिटल क्षेत्र में काम कर रहे युवाओं को प्रोत्साहन देने और उनके योगदान को सार्वजनिक रूप से पहचान दिलाने का संदेश दिया गया। समारोह को क्षेत्र के सोशल मीडिया जगत से जुड़े लोगों के उत्साहवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया अजमत- ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस, उलमा ने दिया अमन और भाईचारे का पैगाम

जश्न-ए-दस्तारबंदी में उलेमाओं व हुफ्फाज को पहनाई गई दस्तार, रातभर गूंजते रहे नातिया कलाम और तकरीरें

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती





पूरनपुर/पीलीभीत। नगर के मोहल्ला करीमगंज स्थित दारुल उलूम अरबिया कादरिया में शुक्रवार, 6 नवंबर को बाद नमाज-ए-इशा सालाना अजमत-ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस व जश्न-ए-दस्तारबंदी का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था, अकीदत और एहतराम से सराबोर इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। देर रात तक चले जलसे में उलेमाओं की तकरीरों और शायर-ए-इस्लाम के नातिया कलाम से माहौल पूरी तरह रूहानी बना रहा।कार्यक्रम की सरपरस्ती खानकाह- ए-आलिया कादरिया चिश्तिया महबूदिया, बिलग्राम शरीफ के सज्जादानशीन पीर-ए-तरीकत, रहबर- ए- शरीयत हजरत अल्लामा मौलाना सैयद ओवैस मुस्तफा कादरी चिश्ती वास्ती ने फरमाई। मुख्य वक्ताओं के रूप से खतीब- ए- अहल- ए-सुन्नत हजरत अल्लामा मौलाना मुहम्मद आमिर रजा खान, हजरत अल्लामा मौलाना तौसीफ रजा खान संभल और अल्लामा मौलाना सलाहुद्दीन अय्यूबी बरेली शरीफ सहित कई नामचीन उलेमा शामिल हुए।इसके अलावा हजरत मौलाना इरशाद अलकादरी, मौलाना जहीरुद्दीन खान मरकजी, मौलाना जाहिद रजा हसनी और शायर-ए-इस्लाम सैयद कैफी अली बुलंदशहर ने भी अपनी तकरीरों और कलाम के माध्यम से लोगों को धार्मिक शिक्षा, आपसी मोहब्बत और भाईचारे का संदेश दिया। वक्ताओं ने अपने बयानों में पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद मुस्तफा की शिक्षाओं और उनके बताए रास्ते पर चलने की अहमियत पर रोशनी डाली।कॉन्फ्रेंस का प्रमुख आकर्षण जश्न-ए-दस्तारबंदी रहा। इस दौरान दारुल उलूम अरबिया कादरिया और जामिया तुल मुस्तफा लिलबनात में तालीम हासिल करने वाले फारिग तालिबे इल्म, उलेमा और हुफ्फाज की दस्तारबंदी की गई। कारी मोहम्मद तस्लीम, मौलाना मोहम्मद आदिल, मौलाना ओवैस रजा, मौलाना फरमान रजा और मौलाना उमरान रजा सहित कई छात्रों को दस्तार पहनाकर सम्मानित किया गया। इस रस्म को उलेमा नूर अहमद अजहरी, कारी इरशाद अहमद और इरशाद बरकाती ने अंजाम दिया।रातभर चले इस धार्मिक आयोजन में दूरदराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। कार्यक्रम के समापन पर मुल्क में अमन-चैन, आपसी सौहार्द, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ की गई। आयोजन को सफल बनाने में दारुल उलूम अरबिया कादरिया की इंतजामिया कमेटी और स्थानीय लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा।



त्योहारों पर सुरक्षा में चूक बर्दाश्त नहीं, एसीपी बजरंग प्रसाद ने थाना प्रभारियों को दिए सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया/मयूर खान



आगरा। आगामी दीपावली, धनतेरस, भैयादूज एवं देवछठ पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए आगरा पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़, यातायात का दबाव और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार (आईपीएस) के निर्देशन में शुक्रवार, 6 नवंबर 2026 को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) हरीपर्वत बजरंग प्रसाद ने अपने सर्किल के सभी थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित की। बैठक में त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने, अपराध नियंत्रण और आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा गोष्ठी में एसीपी बजरंग प्रसाद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और सुरक्षा इंतजामों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रमुख मार्गों, संवेदनशील स्थानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में बैरिकेडिंग लगाकर सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर विशेष नजर रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसीपी ने बाजारों, व्यस्त मार्गों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की निरंतर गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय बाजारों में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी जरूरी है। सभी थाना प्रभारी अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का नियमित निरीक्षण करें और आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिक बिना किसी भय के त्योहार मना सकें। बैठक में एसीपी बजरंग प्रसाद ने पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) की सक्रियता और दृश्यता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पीआरवी वाहन प्रमुख स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें, जिससे किसी भी आपात स्थिति में पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच सके। उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जाम की समस्या से निपटने, वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित रखने और आम लोगों को आवागमन में परेशानी न होने देने के लिए पुलिसकर्मियों की उचित ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने को कहा गया। एसीपी ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में त्योहारों की सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस की नियमित कार्यप्रणाली और जनशिकायतों के निस्तारण की भी समीक्षा की गई। एसीपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस एवं जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण किया जाए। शिकायतों को लंबित रखने के बजाय उनकी गंभीरता से जांच कर पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने, महिला एवं बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। इसके अलावा लंबित विवेचनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि अपराध की संभावनाओं को रोकना और आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास कायम करना भी है। एसीपी बजरंग प्रसाद ने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी जिम्मेदारी, सक्रियता और सतर्कता के साथ कार्य करने को कहा।



पूर्व राज्य मंत्री ने राष्ट्रीय परशुराम परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर सीकरी रोड स्थित कार्यालय पर राष्ट्रीय परशुराम परिषद पश्चिम उत्तरप्रदेश के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन पूर्व राज्यमंत्री एवं संस्थापक राष्ट्रीय परशुराम परिषद सुनील भराला द्वारा किया गया।इस मौके पर भारी संख्या मे लोग उपस्थित रहे ।इस मौके पर प्रदेश



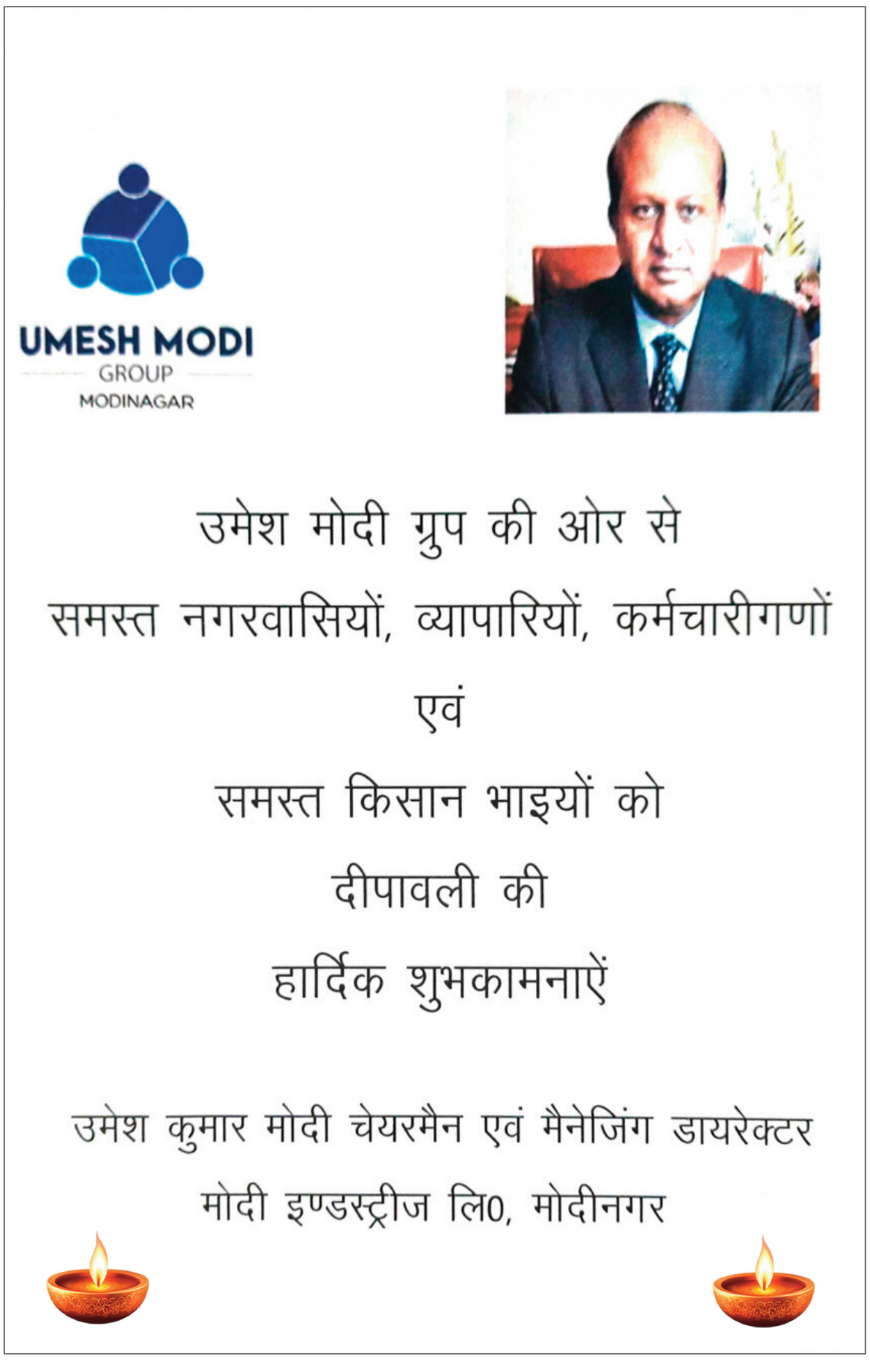
महामंत्री दीपक वत्स के अलावा मुख्य रूप से संगठन के पदाधिकारी शक्ति वाहिनी की जिला अध्यक्ष श्रीमती गीता कौशिक , निखिल वत्स, मनोज शर्मा, डॉक्टर विनोद शर्मा, बीके शर्मा, रवि बाल्मीकि पंडित अनुराग गौड़ प्रदेश संयोजक परशुराम स्वाभिमान सेना सोनू पंडित क्षेत्रीय अध्यक्ष परशुराम स्वाभिमान सेना निक्की पंडित प्रदेश महामंत्री गौरव नंदा प्रदेश महामंत्री राष्ट्रीय परशुराम परिषद भावना शर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष परशुराम शक्ति वाहिनी कृष्ण शर्मा प्रदेश मंत्री परशुराम शक्ति वाहिनी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरकेजीआईटी छात्र की मौत पर रैगिंग और कार हादसे के दो दावे

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। नंदग्राम थाना क्षेत्र में मेरठ रोड स्थित आरकेगोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरकेजीआईटी) के हॉस्टल में बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र हर्ष सिसोदिया की मौत का मामला उलझता जा रहा है। छात्र की मौत को लेकर दो अलग-अलग दावे सामने आए हैं। पिता ने कॉलेज के सात-आठ छात्रों पर रैगिंग करने का आरोप लगाया है, जबकि कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि छात्र के साथ एक दिन पहले कार से हादसा हुआ था। पुलिस दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, सहारनपुर के ननौता निवासी 18 वर्षीय हर्ष सिसोदिया कॉलेज के हॉस्टल में रहकर बीटेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे वह मोबाइल पर बात करते हुए अपने कमरे से तेजी से निकला और दूसरे टॉवर में स्थित मालवीय भवन हॉस्टल की छठी मंजिल पर पहुंच गया। कुछ देर बाद उसने वहां से छलांग लगा दी। गंभीर हालत में उसे संजयनगर स्थित यशोदा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र के पिता अरविंद सिसोदिया ने कॉलेज के डीन छात्र कल्याण एचजी गर्ग और प्रबंधक वीसी शर्मा को लिखित शिकायत दी है। उनका आरोप है कि पांच नवंबर को कॉलेज के सात-आठ छात्रों ने उनके बेटे के साथ रैगिंग की थी।





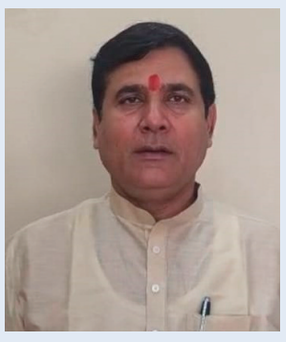




वसुंधरा चौकी धमाके पर गरजे विधायक नंदकिशोर गुर्जर, बोले- सात पीढ़ियां याद रखेंगी जवाब

दीपावली पर लोगों से बिना डर त्योहार मनाने की अपील, बोले- योगी सरकार में आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा

कपिल चौहान





गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र की वसुंधरा पुलिस चौकी में देर रात हुए जोरदार विस्फोट के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। धमाके से चौकी की खिड़कियां और एसी क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी। घटना के समय चौकी के अंदर कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। हालांकि, इस घटना में खाना डिलीवरी करने वाला 20 वर्षीय विशाल घायल हो गया।

वहीं, लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने वीडियो संदेश जारी कर घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह योगी आदित्यनाथ की सरकार है और दीपावली जैसे महापर्व पर ऐसी हरकत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

गाजियाबाद पुलिस आरोपियों को ऐसा जवाब देगी, जिसे उनकी सात पीढ़ियां याद रखेंगी। विधायक ने लोगों से अपील की कि वे किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और पूरे उत्साह के साथ दीपावली मनाएं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश किसी भी चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। उधर, एक आतंकी संगठन की ओर से विस्फोट की जिम्मेदारी लेने के दावे की भी सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों और जिम्मेदारी की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी।

16.12 करोड़ की क्रेडिट लिमिट लेकर दूसरी फर्मों और रिश्तेदारों के खातों में भेजी रकम

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की राजनगर शाखा से 16.12 करोड़ रुपये की क्रेडिट लिमिट हासिल कर रकम को दूसरी फर्मों और परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर करने के मामले में शनिवार को विशेष सीबीआई अदालत में सुनवाई हुई। अदालत में आरोप तय करने के बिंदु पर सुनवाई की गई। अब इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 19 नवंबर की तारीख निर्धारित की गई है। मामले में बैंक ऑफ इंडिया के मेरठ स्थित क्षेत्रीय प्रमुख पवन कुमार गौड़ की शिकायत पर 26 दिसंबर 2018 को सीबीआई ने रिपोर्ट दर्ज की थी। इसमें भरत कालरा, अज्ञात बैंक अधिकारियों और अन्य को आरोपित किया गया था। आरोप है कि भरत कालरा ने अपनी फर्म एसएम एंटरप्राइजेज के नाम पर यूनियन बैंक की राजनगर शाखा से 16.12 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट लिमिट स्वीकृत कराई थी।





वेलकम इंडिया
की तरफ से सभी देशवासियों
को दीपावली की हार्दिक
शुभकामनाएं







